1 राजस्थान के इतिहास के स्रोत

1. सिक्कों व रियासतों का निम्न में से असंगत युग्म है?
(1) ग्यारसंदिया– शाहपुरा
(2) ढब्बूशाही– मारवाड़
(3) माधोशाही रूपया– जयपुर
(4) लल्लूलिया– जैसलमेर (4)

व्याख्या–मारवाड़ रियासत में सोजत की टकसाल में बनने वाला सिक्का 'लल्लूलिया' सिक्का कहलाता था।

2. रणकपुर प्रशस्ति के संबंध में निम्न में से असत्य कथन है?
(1) प्रशस्तिकार ने इसमें भूलवश गुहिल को बाप्पा का पुत्र लिख दिया है।
(2) इस प्रशस्ति में बापा और कालभोज दोनों को पृथक–पृथक व्यक्ति बताया गया है।
(3) इसमें बापा से लेकर कुम्भा तक की वंशावली दी गई है।
(4) यह लेख रणकपुर के नेमीनाथ मंदिर के एक स्तम्भ पर उत्कीर्ण है। (4)

व्याख्या– 1439 ई. के इस लेख की भाषा संस्कृत व लिपि नागरी है। इसमें मेवाड़ के राजवंश, धरणा श्रेष्ठि वंश का तथा उसके शिल्पी का परिचय मिलता है। यह लेख रणकपुर के चौमुखा मंदिर (आदिनाथ) के बाएं स्तम्भ पर उत्कीर्ण है।

3. राजपूताने की प्राचीनतम लिपि है?
(1) महाजनी (2) खरोष्ठी
(3) नागरी (4) ब्राह्मी (4)

4. मानमोरी के शिलालेख के रचियता थे?
(1) बाउक (2) रत्नप्रभ
(3) पुष्य (4) नागमुण्डि (3)

व्याख्या– चित्तौड़ के पास पूठोली गाँव में मानसरोवर झील के पास एक स्तंभ पर लिखा हुआ 713 ई. का यह लेख कर्नल जेम्स टॉड को मिला था।

5. जयपुर राज्य संबंधित आय–व्यय, भेंट, उपहार, युद्ध आदि में काम आये व्यक्तियों को दी गयी इज्जत आदि का विवरण प्राप्त होता है?
(1) हकीकत बही (2) हस्बुल हुक्म
(3) दस्तूर कौमवार (4) ओहदा बही (3)

6. निम्न में से कौनसा शिलालेख राजस्थान का प्राचीनतम शिलालेख कहलाता है?
(1) सामोली शिलालेख
(2) बड़ली शिलालेख
(3) नगरी का शिलालेख
(4) बुचकला शिलालेख (2)

व्याख्या– यह शिलालेख केकड़ी जिले के बड़ली गाँव (भिनाय) के भिलोत माता मंदिर से एक स्तम्भ के टुकड़े से प्राप्त हुआ है यह राजस्थान का सबसे प्राचीन शिलालेख है इसकी लिपि ब्राह्मी है।

7. निम्न में से कौनसा लेख उदयपुर जिले से प्राप्त नहीं हुआ है?
(1) चीरवा शिलालेख (2) जगन्नाथराय प्रशस्ति
(3) वैद्यनाथ मंदिर प्रशस्ति (4) भ्रमर माता का अभिलेख (4)

व्याख्या– भ्रमर माता का लेख (490 ई.) प्रतापगढ़ की छोटी सादड़ी के भ्रमर माता मंदिर से प्राप्त हुआ है।

8. किस शिलालेख में चौहानों को 'वत्सगोत्रीय ब्राह्मण' बताया गया है?
(1) सुंधा पर्वत अभिलेख (2) हस्तिकुण्डी शिलालेख
(3) अपराजित का शिलालेख (4) बिजौलिया अभिलेख (4)

9. बीजक डूंगरी पर सर्वप्रथम अशोक के शिलालेख की किसने व कब खोज की थी?
(1) रत्नचन्द्र अग्रवाल ने 1954 में
(2) बी. वी. लाल ने 1952 में
(3) अमलानंद घोष ने 1959 में
(4) कैप्टन बर्ट ने 1837 में (4)

10. किस प्रशस्ति में कुम्भा को दानगुरु, राजगुरु व शैलगुरु कहा गया है इसके साथ ही कुम्भा द्वारा रचित ग्रन्थों चंडीशतक, गीत गोविन्द की टीका, संगीतराज तथा कई नाटकों का उल्लेख है?
(1) एकलिंगी प्रशस्ति (2) राज प्रशस्ति
(3) वैद्यनाथ प्रशस्ति (4) कीर्ति स्तम्भ प्रशस्ति (4)

11. निम्नलिखित में से शिलालेख/प्रशस्ति और उनके उत्कीर्णन वर्ष का कौनसा जोड़ा सुमेलित नहीं हैं?
(1) अचलेश्वर शिलालेख– 1285 ई.
(2) बिजौलिया शिलालेख– 1170 ई.
(3) चिरवा शिलालेख– 987 ई.
(4) कुम्भलगढ़ प्रशस्ति– 1460 ई. (3)

व्याख्या– चीरवा का शिलालेख 1273 ई. का है।

12. घटियाला शिलालेख किस भाषा में लिखा गया था?
(1) संस्कृत (2) प्राकृत
(3) फारसी (4) ऊर्दू (1)

13. मारवाड़ में प्रचलित रहे 'आदिवराह शैली' के सिक्कों का संबंध किस राजवंश से है?
(1) गुर्जर प्रतिहार (2) राठौड़ राजवंश
(3) देवड़ा चौहान (4) भाटी राजवंश (1)

14. 1886 ई. में बूँदी में महाराव रामसिंह के समय किस प्रकार के सिक्के प्रचलन में थे?
(1) सालिमशाही सिक्के (2) झाड़शाही एलची
(3) स्वरूपशाही सिक्के (4) कटारशाही सिक्के (4)

व्याख्या– बूंदी में 1886 ई. में कटारशाही रूपया बनाया गया। जिसमें एक तरफ महारानी विक्टोरिया का नाम व कटार का चिह्न तथा दूसरी तरफ 'बूंदीश रामसिंह 1843' अंकित था।

Dhindhwal Publication Lead Read and Achieve

15. ढ़ींगला, भींडरिया, नाथद्वारिया क्या हैं?
(1) मेवाड़ में प्रचलित ओढ़नियाँ
(2) मेवाड़ के राजस्व करों के नाम
(3) मेवाड़ में प्रचलित ताँबे के सिक्के
(4) मेवाड़ में सरदारों की श्रेणियाँ (3)

व्याख्या– मेवाड़ में तांबे के भी कई सिक्के चलते थे। इनको ढिंगला, भीलाड़ी, त्रिशुलिया, भींडरिया व नाथद्वारिया आदि नामों से जाना जाता था।

16. रियासती काल में राजा की दैनिक दिनचर्या का उल्लेख किस बही में मिलता है?
(1) हकूमत री बही (2) हकीकत बही
(3) दस्तूर री बही (4) मुल्की बही (2)

17. मुगल बादशाह द्वारा अपने किसी अधीनस्थ राजा या सामंत को जागीर प्रदान करने की स्वीकृति .... कहलाती थी।
(1) फरमान (2) मन्सूर
(3) रूक्का (4) सनद (4)

18. राज परिवार की दैनिक आवश्यकताओं के खर्च का विवरण मिलता है?
(1) दस्तूर कौमवार में (2) कमठाना बही में
(3) सयाद हजूर में (4) वकील रिपोर्ट में (3)

19. निम्नलिखित बहियों में से किन बहियों में राजकीय भवनों के निर्माण का विस्तृत विवरण मिलता है?
(1) हकीकत बहियाँ (2) कमठाना बहियाँ
(3) शहर लेखा बहियाँ (4) हवाला बहियाँ (2)

व्याख्या– राजकीय भवनों, किले, महलों पर होने वाले खर्च का लेखा-जोखा कमठाना बही में लिखा जाता था।

20. हाड़ी रानी कर्मावती द्वारा जौहर में प्रवेश करते समय दिए गए भूमि अनुदान की जानकारी का स्रोत कौनसा है?
(1) पुर का ताम्रपत्र (2) चिकली ताम्रपत्र
(3) ढ़ोल का ताम्रपत्र (4) मथनदेव का ताम्रपत्र (1)

व्याख्या– गुजरात शासक बहादुरशाह के चित्तौड़ आक्रमण के समय हाड़ी रानी कर्मावती ने जौहर में प्रवेश करते समय करण तिवाड़ी को एक हल भूमि दान में दी थी।

21. राजस्थान से प्राप्त किन दो अभिलेखों से ज्ञात होता है कि मौर्या का सम्बन्ध राजस्थान से था?
(1) कनसवा (कोटा) एवं मानमोरी (चित्तौड़गढ़)
(2) बुचकला (जोधपुर ग्रामीण) एवं मंडोर (जोधपुर)
(3) चाटसु लेख (जयपुर) एवं सारणेश्वर (उदयपुर)
(4) हस्तिकुण्डी (पाली) एवं पाणाहेड़ा (बांसवाड़ा) (1)

22. अपराजित के शिलालेख के रचयिता कौन है?
(1) गुणभद्र (2) करणिक
(3) दामोदर (4) मग (3)

व्याख्या– अपराजित का लेख (661 ई.) नागदा गांव के निकटवर्ती कुण्डेश्वर के मंदिर से डॉ. औझा को मिला था। इस लेख से गुहिल शासकों की उत्तरोतर विजयों का पता चलता है।

23. किस स्थल से शासक मिनेण्डर के 16 सिक्के प्राप्त हुये हैं?
(1) आहड़ (2) रैढ़
(3) बैराठ (4) नालियासर (3)

24. बड़वा ग्राम (बारां) से कितने मौखरी यूप अभिलेख प्राप्त हुए हैं?
(1) 2 (2) 3 (3) 6 (4) 4 (2)

25. सारणेश्वर (सांडनाथ) प्रशस्ति का संबंध किस जिले से है?
(1) पाली (2) सिरोही
(3) उदयपुर (4) चित्तौड़गढ़ (3)

26. चित्तौड़गढ़ का कुमारपाल का शिलालेख किस वर्ष का है?
(1) 1050 ई. (2) 1150 ई.
(3) 1250 ई. (4) 1350 ई. (2)

27. चौहान शासक विग्रहराज चतुर्थ द्वारा रचित किस नाटक को अढ़ाई दिन के झौपड़े की दीवारों पर लिखा हुआ है?
(1) हरिकेली (2) बीसलदेव रासो
(3) ललित विग्रहराज (4) सुर्जन चरित्र (1)

28. लूणवसही (आबू देलवाड़ा) की प्रशस्ति किस वर्ष की है?
(1) 1130 ई. (2) 1230 ई.
(3) 1330 ई. (4) 1430 ई. (2)

व्याख्या– यह प्रशस्ति पोरवाड़ जातीय शाह वास्तुपाल व तेजपाल द्वारा बनवाए गए आबू के देलवाड़ा गांव के लूणवशाही मंदिर की है। इसमें आबू के परमार शासकों तथा वास्तुपाल तेजपाल के वंश का वर्णन है।

29. वह अभिलेख, जिसमें सांभर के चाहमान शासकों के वंशक्रम व उनकी उपलब्धियों का वर्णन किया गया है?
(1) मण्डोर अभिलेख (2) बड़ली प्रस्तर अभिलेख
(3) अर्थूणा अभिलेख (4) हर्षनाथ मंदिर अभिलेख (4)

30. किन अभिलेखों में राज्य की जनगणना का विवरण मिलता है?
(1) मरदूमशुमारी (2) हस्बुल हुक्म
(3) दस्तूर कौमवार (4) वकील रिपोर्ट (1)

31. किस अभिलेख को कर्नल टॉड द्वारा इंग्लैण्ड ले जाते समय समुद्र में फेंक दिया था?
(1) बड़ली शिलालेख (2) बरनाला शिलालेख
(3) मानमोरी शिलालेख (4) बुचकला शिलालेख (3)

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें –

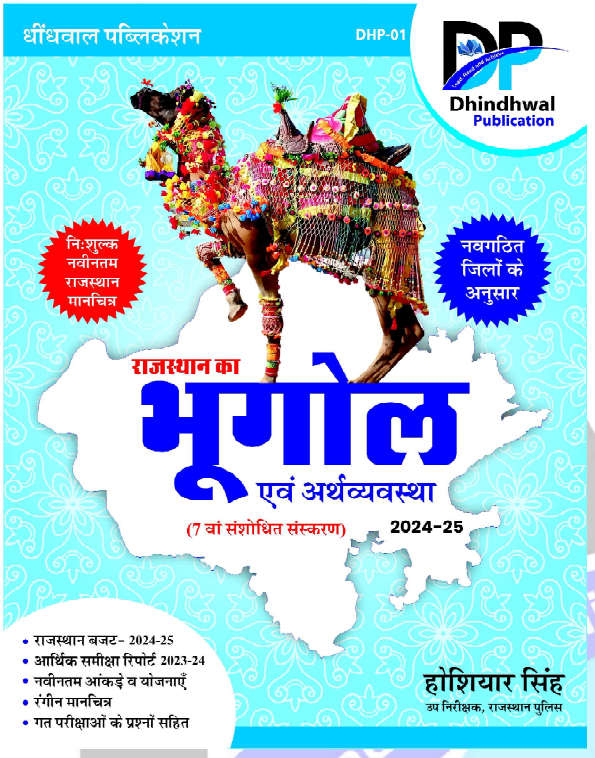

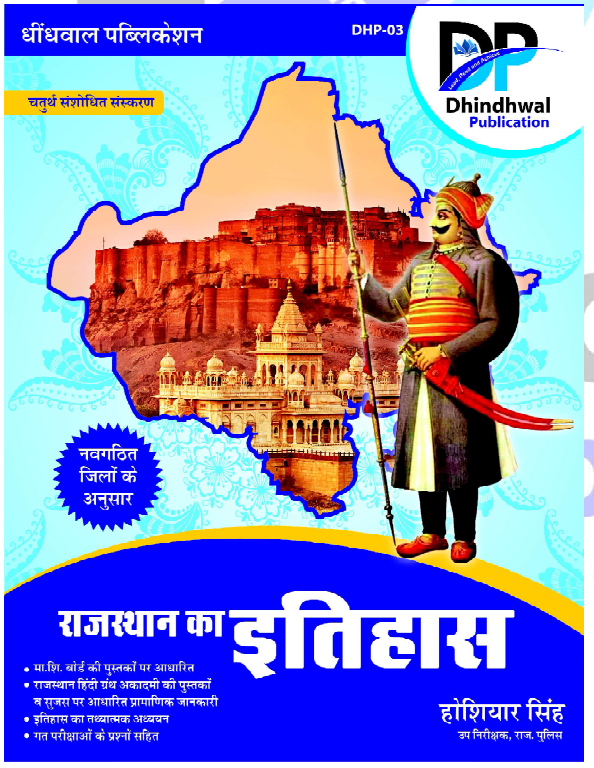

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

– Dhindhwal Publication

– धींधवाल पब्लिकेशन

– Dhindhwal Classes

– @Publication-DP

– Dhindhwal Publication

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध है। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।